ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का

प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 26122271, 26123436, 26123680, 26111554 रेलवे - 55222, 55860, 55862

छात्रावास - डी ओ टी(020) 26130579, 26126816, 26121669 रेलवे - 55980, 55981, 55976

फॅक्स : 020-26128677

ई - मेल : mail@iricen.gov.in

टेलीग्राम : रेलपथ

वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 10 अंक - 38 अप्रैल - जून 2006

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार
2. रेल सप्ताह 2006
3. अंगोलन रेलवे के प्रतिनिधियों का दौरा
4. मुख्य इंजीनियर (निर्माण) का सेमिनार
5. विशेष उपलब्धि
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 91 वीं बैठक
7. पाठ्यक्रम
8. स्वागत
9. विदाई
10. बधाई / शुभकामनाएं
11. सेवानिवृत्ति
12. श्रध्दांजली
13. शब्द ज्ञान
14. क्या आप जानते हैं?
15. सृजन

1 प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार

इरिसेन के इतिहास में पहली बार दिनांक 22.6.06 से 23.6.06 तक प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन श्री एन.अरविंदन,अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग), रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन द्वारा किया। सम्मेलन में कई तकनीकी विषयों पर विचार विमर्श किया गया। कुछ सामयिक विषयों पर अनुसंधान, अभिकल्प तथा मानक संगठन, इरिसेन तथा प्रधान मुख्य इंजीनियरों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिए गए।



प्रधान मु. इंजी. के सेमिनार के उद्घाटन समारोह का दृश्य

इनके अतिरिक्त मेसर्स बेंटले सिस्टम्स द्वारा एम एक्स रेल, मेसर्स ख्याति निलयम द्वारा स्पेरी रेल टेस्टिंग सिस्टम, टेरी द्वारा ग्रीन बिल्डिंग और डॉ.एन.शैलेश्वरन द्वारा भवनों और संरचनाओं के लिए मरम्मत और पुनर्स्थापन तकनीक पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की उपयोगिता को सराहा गया।



प्रधान मु. इंजी. के सेमिनार में विचार विमर्श का दृश्य

संरक्षक
शिवकुमार
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
प्रवीण कुमार
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक - कंप्यूटर्स

संपादक
अरूणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

सहयोग
अरूण चांदोलीकर
सह प्राध्यापक
अशोक पोलके रा.भा.स.I
आर.जे.पाल.रा.भा.स. II

2 रेल सप्ताह 2006

इरिसेन में दिनांक 12/04/06 को रेल सप्ताह 2006 उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह के अवसर पर मध्य रेल, पुणे मंडल सांस्कृतिक अकादमी के कर्मचारियों द्वारा हिंदी नाटक **एक था मन का राजा** का सफल मंचन किया गया। निदेशक, संकाय सदस्यों, प्रशिक्षुओं एवं इरिसेन कर्मचारियों द्वारा नाटक की सराहना की गई। तदुपरांत निदेशक महोदय ने भारतीय रेल की उन्नति के लिए इरिसेन की पुनर्समर्पित सेवाओं के संकल्प को दोहराते हुए संस्थान में आयोजित नए नए आयामों एवं उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित किया।



रेल सप्ताह के अवसर पर नाटक मंचन का दृश्य

3 अंगोलन रेलवे के अधिकारियों का इरिसेन दौरा

राइट्स के माध्यम से अंगोलन रेलवे (सी एफ एम) के दो अधिकारियों ने दिनांक 05/04/06 को संस्थान का दौरा किया। संस्थान में उपलब्ध विविध प्रशिक्षण सुविधाओं के संबंध में जानने के लिए उन्होंने संस्थान का भलीभांति निरीक्षण किया। वे बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने अपनी रेलवे से अधिकारियों को यहाँ प्रशिक्षण हेतु भेजने की इच्छा व्यक्त की।



अंगोलन रेलवे के अधिकारी ग्रंथालय का निरीक्षण करते हुए

4 मुख्य इंजीनियर (निर्माण) का सेमिनार

पहली बार इरिसेन में मुख्य इंजीनियर (निर्माण) का सेमिनार दिनांक 25/04/06 से 26/04/06 तक आयोजित किया गया। सेमिनार में कई नई तकनीकों /संकल्पनाओं जैसे : सेगमेंटल कंस्ट्रक्शन, ग्रीन बिल्डिंग,यूज ऑफ ब्लैंकेट मेटेरियल विथ केस स्टडीज, फिडिक कंडीशन्स इन कॉन्ट्रैक्ट, इम्प्रूवमेंट इन ड्यूरेबिलिटी एंड यूज ऑफ ऐडमिक्सचर इन कंक्रीट के बारे में उन्हें बताया गया। सेमिनार में मेसर्स बेंटले सिस्टम, नई दिल्ली द्वारा एम एक्स रेल, एम आई टी/पुणे द्वारा टोटल स्टेशन के साथ मॉडर्न सर्वेइंग उपकरण तथा मेसर्स गरवारे वॉल रोप्स के प्रतिनिधि द्वारा रेल निर्माण तल में जिओ- ग्रिड का उपयोग एवं रीइनफोर्स्ड अर्थ के अभिकल्प पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की उपयोगिता को सराहा गया।



मुख्य इंजीनियर (नि.) के सेमिनार का दृश्य

5 विशेष उपलब्धि

- भारतीय रेल पर **समर्पित माल गलियारों के निर्माण** के संबंध में रेलवे बोर्ड (सदस्य इंजी.) ने इरिसेन से एक सदस्य को शामिल करते हुए 6 सदस्यों का एक **इंजीनियरी कोर ग्रुप** नामित किया है। जो कार्य संबंधित विभिन्न पहलुओं के लिए लक्ष्य स्थापित करेगा। कोर ग्रुप की गतिविधियों के एक हिस्से के रुप में रेलवे बोर्ड (सदस्य इंजी.) ने दल को यू एस ए एवं आस्ट्रेलिया के अध्ययन दौरे का अनुमोदन किया ताकि रेलपथ मानक, अधिकतम संचलन विस्तार, रेलपथ लदान घनत्व एवं समर्पित माल गलियारा से संबंधित अन्य पेरामीटरों को अंतिम रुप देने से पहले इन रेलों पर भार वहन गाड़ियों का परिचालन देखें।

- श्री अतुल अग्रवाल, प्राध्यापक / रेलपथ -3 दिनांक 15/05/06 से 17/05/06 तक शिकागो में आयोजित **रेल व्हील इंटरैक्शन** पर सेमिनार के लिए प्रतिनियुक्त किए गए थे।

- बोर्ड की वांछानुसार दिनांक 03/06-03-2006 के पत्र सं. 95/सीई-1/जीएनएस/2 वाल्यू. II-पार्ट-II के अंतर्गत दिनांक 18/05/06 से 19/05/06 (दो दिन) तक सैध्दांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु रेशनल फॉर्मूला द्वारा गैंगस्ट्रेंथ कैलकुलेशन पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का प्रचार प्रसार व्यापक रुप से किया गया था जिससे विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के 27 अधिकारी पाठ्यक्रम में उपस्थित हुए।

6 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 91 वीं बैठक

दिनांक 28 अप्रैल, 2006 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 91 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें 31/03/06 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई इसमें **कैलेन्डर हैमिल्टन ब्रिज** पर बनी तकनीकी फिल्म के हिंदी रुपांतरण के संबंध में चर्चा प्रमुख रही। इस पर निदेशक महोदय ने प्रसन्नता और आशा व्यक्त की कि हिंदी में प्रथम तकनीकी फिल्म शीघ्र तैयार हो जाएगी। निदेशक महोदय द्वारा संकाय सदस्यों से हिंदी में तकनीकी पुस्तकों के मौलिक लेखन का अनुरोध भी किया गया। राजभाषा के प्रयोग - प्रसार पर संतोष व्यक्त करते हुए बैठक में पधारे मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री धीरेंद्र कुमार झा ने ज्ञानदीप में तकनीकी शब्द एवं उनके अर्थ भी प्रकाशित करने का सुझाव दिया।



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 91 वीं बैठक का दृश्य

7 पाठ्यक्रम

- दि.03/04/06 से05/04/06 तक (3 दिन) **भवन निर्माण एवं भवन सामग्री के उपयोग पर** विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया ।
- दि.17/04/06 से 21/04/06 तक (1 सप्ताह) **सामग्री का निरीक्षण एवं परीक्षण** पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- दि. 24/04/06 से 28/04/06 तक(1 सप्ताह) **परियोजना प्रबंधन** पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- दि.12/06/06 से 13/06/06 तक (2 दिन) **पुलों के निरीक्षण** पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 14/06/06 से 16/06/06 तक (3 दिन) **पुलों के लिए अस्थायी व्यवस्था** पर विशेष पाठ्यक्रम
- दि. 26/06/06 से 14/07/06 तक (3 सप्ताह) **प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (पुल एवं कार्य मॉडयुल)**पर विशेष पाठ्यक्रम।
- दि.26/06/06 से 21/07/06 तक (4 सप्ताह) **वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)** पर विशेष पाठ्यक्रम।

8 स्वागत



भा.रे. इंजी. सेवा के 1984 बैच के अधिकारी श्री अजय गोयल ने दि.21/04/06 को संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक का पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व आप नवंबर, 05 से पूर्वोत्तर रेल पर मुख्य पुल इंजीनियर के रुप में कार्यरत थे। आपने पंजाब इंजीनियरी कॉलेज,चंडीगढ से 1983 में बी.एस.सी. इंजीनियरी (सिविल)एवं 1985 में एम.टेक. (स्ट्रक्चर) की उपाधि प्राप्त की है।

आपने दक्षिण पूर्व रेल में कोरापुट-रायगड़ा प्रोजेक्ट में सहा.इंजी(नि.) एवं उत्तर रेलवे,हापुड़ में सहा.इंजी.,वरिष्ठ इंजी. /उप मुख्य इंजी. के रुप में कंक्रीट स्लीपर प्लांट,इलाहाबाद में कार्य किया तथा नये प्री टेन्सन कंक्रीट स्लीपर प्लांट बनाने में आपकी अहम भूमिका रही है। उत्तर रेल में उप.मु.इंजी.(पी एंड डी) के रुप में कार्य करने से पहले आप इलाहाबाद में वरि.मं.इंजी.IV के रुप में कार्यरत थे।

रेलवे बोर्ड में निदेशक (भूमि प्रबंधन)के रुप में कार्य करते हुए भारतीय रेल के लिए **यात्री सुविधा प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर** का निर्माण आपकी ही देन है जिसका उपयोग अभी भी किया जा रहा है। इलाहाबाद में वरि.मु.इंजी.(समन्वय) के रुप में कार्य करते समय आप रेलपथ के यांत्रिकीकृत अनुरक्षण से संबध्द रहे और इलाहाबाद में नई क्षेत्रीय रेल का निर्माण इसी दौरान हुआ। इसी दौरान दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर कानपुर- चंदेरी सेक्शन के दोहरीकरण का दुर्गम कार्य जो पहले से अधूरा छूटा हुआ था उसे आपने पूरा किया। रेलवे पर पहली बार शायद ओपन लाइन द्वारा दोहरीकरण का कार्य किया गया। रेलपथ का यांत्रिकीकृत अनुरक्षण एवं डाटा बेस प्रबंधन आपके रुचि के विषय हैं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

9 विदाई



भा.रे.इंजी. सेवा के 1982 बैच के अधिकारी, श्री अशोक कुमार यादव जिन्होंने दिनांक 11/04/2001 को संस्थान में प्राध्यापक /पुल का पदभार ग्रहण किया था। लगभग पांच वर्ष संस्थान की सेवा से जुड़े श्री अशोक कुमार यादव का स्थानांतरण मुख्य इंजीनियर (निर्माण) मध्य रेल, मुंबई के पद पर हुआ है। दिनांक 21/4/06 को उन्हें भार मुक्त कर दिया गया। संस्थान उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

10 बधाई / शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

13	जुलाई	-	श्री शिव कुमार, निदेशक
23	अगस्त	-	श्री आर. के.यादव प्राध्यापक- रेलपथ-2
30	सितंबर	-	श्री प्रवीण कुमार,प्राध्यापक - कंप्यूटर्स

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

3	जुलाई	-	श्री एन.सी.शारदा, वरिष्ठ प्राध्यापक /कार्य
12	जुलाई	-	श्री अतुल अग्रवाल, प्राध्यापक / रेलपथ -3

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

14	जुलाई	-	श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल
20	जुलाई	-	श्री हरी फुरसत,बढ़ई
23	जुलाई	-	श्री राजू ताराचंद, वरिष्ठ सफाईवाला
11	अगस्त	-	श्री राजन, सहायक रसोईया
12	अगस्त	-	श्रीमती शांति सर्वनन,एम आर खलासी
12	अगस्त	-	श्री रामू तयप्पा, खलासी
21	अगस्त	-	श्री विनायक ना. साहोनी, तकनीकी सहायक (पुल)
22	अगस्त	-	श्री लव प्रकाश श्रीवास्तव, तकनीकी सहायक
24	अगस्त	-	श्रीमती विद्या जम्मा,प्रवर आशुलिपिक
1	सितंबर	-	श्री कुंडलिक तुकाराम मोरे, खलासी
6	सितंबर	-	श्री पंढरी मलकप्पा अष्टगे, अवर लिपिक
10	सितंबर	-	श्री रमेश दादू माली
12	सितंबर	-	श्री विजय हीरामन, खलासी

18 सितंबर - श्री प्रवीण रासकर, खलासी
21 सितंबर - श्री शिवशंकर शिंगे, खलासी
29 सितंबर - श्री सी. एच.बठीजा, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर्स.)
30 सितंबर - श्री कालीदास शीतल प्रसाद, प्रवर टंकक
30 सितंबर - श्रीमती सुनिता देशपांडे, लेखा सहायक

कर्मचारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

6 जुलाई - श्री एम.पेची, रसोईया
7 जुलाई - श्री परमेश्वर, खलासी
11 जुलाई - श्रीमती नेहा सप्तर्षि,सहायक ग्रंथपाल
21 अगस्त - श्री पी.विजयन,रसोइया

11 सेवानिवृत्ति

संस्थान के प्रोजेक्शनिस्ट श्री मलकप्पा गुरुलिंगप्पा कांबले दिनांक 31.03.2006 को रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए। संस्थान उनके सुख एवं शांतिपूर्ण जीवनयापन की कामना करता है।

12 श्रध्दांजली

संस्थान में कार्यरत श्री डी. ए. कांबले, मास्टर रसोईया का दि. 31.3.06 को हृदयाघात से निधन हो गया। वे 56 वर्ष के थे। श्री कांबले के अकस्मात निधन से संस्थान को क्षति पहुंची है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और परिवार को इस दुख से उबरने की शक्ति दें।

13 शब्दज्ञान

Assessment	आकलन	Approval	अनुमोदन
Calculation	परिकलन	Acceptance	स्वीकृति
Estimate	प्राक्कलन	Authority	प्राधिकार
Investigation	अन्वेषण	Concurrence	सहमति
Invigilation	अन्वीक्षण	Sanction	मंजूरी

14 क्या आप जानते हैं?

- दिल्ली - भोपाल शताब्दी एक्सप्रेस में दिल्ली - आगरा कैंट के बीच सर्वाधिक गति 150 कि. मी प्रति घंटा प्राप्त की है। जिसके फलस्वरूप अब यह देश में चलनेवाली सर्वाधिक तेज गति की रेलगाड़ी हो गई है।
- संघ का राजकीय कार्य राजभाषा हिंदी में करने के लिए वर्ष 2006-07 क लिए वार्षिक कार्यक्रम ('ख' क्षेत्र)

हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	-	100 %
हिंदी में डिक्टेशन	-	20 %
द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	-	100 %
कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद	-	100%
राजभाषा कार्यान्वयन समिती की वर्ष में बैठक	-	04
हिंदी में टिप्पण	-	50%
हिंदी प्रशिक्षण भाषा, टंकण, आशुलिपिक	-	100 %
पुस्तकालय के लिए उपलब्ध कुल अनुदान में से खर्च का प्रतिशत	-	50%
वेबसाईट (द्विभाषी)	-	100 %

15 फोन शिष्टाचार

फोन चाहे वह लैंड लाईन हो या मोबाईल हमारी सुविधा के लिए है। आजकल सभी इस सुविधा का भरपूर लाभ भी उठाते हैं। फोन के बढ़ते हुए उपयोग के साथ फोन संपर्क में शिष्टाचार की कमी भी देखी जा रही है। यह स्थिति व्यक्तिगत एवं कार्य संबंधी, दोनों प्रकार के फोन कॉल में पायी जा रही है। अगर फोन संपर्क में शिष्टाचार का पालन किया जाए तो कार्य कुशलता तो बढ़ेगी ही, आपकी और आपके संगठन की साख भी बढ़ेगी। फोन शिष्टाचार की कुछ बातें आगे दी गई है जो इन उद्देश्यों को पाने में सहायक होंगी।

- फोन का उत्तर देते समय प्रारंभ में ही अपना परिचय दे दें। इससे फोन करने वाले व्यक्ति को सुविधा होगी और गैर जरूरी पूछताछ में समय नहीं लगेगा।
- फोन के पास कागज और कलम अवश्य रखें।
- अगर कॉल करनेवाला आप से कुछ जानकारी चाहता है जो तुरंत उपलब्ध नहीं है तो उसे होल्ड पर न रख कर दुबारा कॉल करने को कहें या स्वयं ही बाद में कॉल कर के जानकारी दे दें।
- अगर कॉल आपने किया है तो कॉल को समाप्त करने की जिम्मेदारी भी आप की है।
- फोन कॉल व्यक्ति के नियमित कार्य में बाधा डालते हैं। अत: छोटी छोटी बातों के लिए बार-बार फोन न करें। कोशिश करें कि ऐसी बातों को इकट्ठा करके एक बार में ही पूरी बात कर लें।
- जहां तक संभव हो कार्य समय में बातचीत कार्य तक ही सीमित रखें।
- किसी के व्यक्तिगत समय में उसे कॉल तभी करें जब ऐसा करना जरुरी हो।

मोबाईल फोन के उपयोग में कुछ और शिष्टाचार की आवश्यकता है। ध्यान रखने योग्य बातें इस प्रकार हैं:

- वाहन चलाते समय कॉल न करें तथा न लें।
- सभा तथा सम्मेलन में या तो फोन बंद कर दें या साइलेंट मोड में रखें।
- अगर अनौपचारिक बैठक में भी हों तो जहां तक संभव हो कॉल न करें और अगर कॉल आ जाए तो उसे सीमित रखें।
- अगर किसी का मोबाइल पर कार्य से संबंधित कॉल करना हो तो ऐसा कार्य समय में ही करने का प्रयास करें।
- सार्वजनिक स्थान से बात करते समय ऊंची आवाज में बात न करें।
- अगर जिस व्यक्ति को आपने कॉल किया है वह कॉल नहीं ले रहा है तो उसे बार - बार कॉल न करें। संभवत: वह वर्तमान में आपकी कॉल लेने की स्थिति में नहीं है।

...अभय कुमार राय, प्राध्यापक / कार्य

उद्योग से दरिद्रता नहीं रहती, जप से पाप नहीं रहता, मौन रखने से कलह नहीं होता और जागते रहने से भय नहीं होता।- चाणक्य नीति

प्रवीण कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक,कंप्यूटर्स,भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1.
द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स शिवानी प्रिंटर्स, 101 चंद्रकांत चैम्बर्स, ढ़ोले-पाटील रोड, पुणे 411001.
फोन 26124581 द्वारा मुद्रित (3000 प्रतियां)